Title: Need to provide compensation to family of the youth who immolated himself and also to set up a judical inquiry to probe the guilty officials.

श्री दिन्शा पटेल (कैरा) : अध्यक्ष महोद्य, मेरे संसदीय क्षेत्र में नाड्यािड सब्से बड़ा शहर है और यह सरदार पटेल की जन्मभूमि भी है। नाड्यािड शहर की नगरपालिका बी.जे.पी. के हाथ में है, जो भूख और भ्रटाचार दूर करने की बात कर रही है। लेकिन वहां बड़े पैमाने पर भ्रटाचार चल रहा है। उन पर करीब 12 करोड़ रुप्ये का कर्ज है। तीन करोड़ रुप्या बिजली का बाकी है। बिजली बोर्ड ने तीन करोड़ रुप्ये लेने के लिए म्युनिसिपैलिटी को नोटिस दिया है। वहां सरकारी और नगरपालिका की खुली जमीन पर गैरकानूनी कंस्ट्रक्शन का काम करने के लिए बहुत बड़े पैमाने पर भ्रटाचार चल रहा है। उसके बारे में मैंने वहां के कलक्टर को लिखा, चीफ ऑफिसर को लिखा, मुख्य मंत्री को लिखा, वहां के प्रमुख से बात की तथा वहां के विधायकों ने भी मेरे साथ जुलूस निकालकर उन्हें आवेदनपत्र दिया। लेकिन इन सबका आज तक कोई ज्वाब नहीं मिला।

<u>1228 बजे</u> (उपाध्यक्ष महोद्य <u>पीठासीन हुए)</u>

वहां के एक युवा भरत हंसमुखभाई राव ने मेरे साथ इस सबके बारे में उन्हें नोटिस दिया था। उन्होंने सरकार को भी लिखा, मुख्य मंत्री को लिखा, कलक्टर को लिखा, प्रेसीडेंट को लिखा, शहरी विकास मंत्री को लिखा, सैक्रेटरी को लिखा, नियामक म्युनिसिपैलिटी को लिखा। लेकिन आज तक कोई ज्वाब नहीं मिला।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Patel, conclude now.

श्री दिन्शा पटेल : 4.8.2000 को उन्होंने सरकार को तथा इन सबको नोटिस दिया कि 15 अगस्त, 2000 की सुबह आठ बजे तक यदि मुझे रिप्लाई नहीं मिलेगा तो मैं आत्म-विलोपन करूंगा। लेकिन 15 अगस्त, 2000 की सुबह आठ बजे तक उन्हें कोई रिप्लाई नहीं मिला। ज्ब मुझे रिप्लाई नहीं मिला तो उन्हें कहां से मिलने वाला है। श्री भरतभाई राव बी.जे.पी. के कार्यकर्ता थे, तब भी उन्हें रिप्लाई नहीं दिया गया।

उन्होंने 15 अगस्त को सरदार पटेल और गांधी जी के गुजरात में सुबह 9.30 बजे जो रोड बताई थी, उस रोड पर एक प्रसिद्ध सनातन मंदिर है, उस रोड पर उन्होंने अपने आपको पैट्रोल डालकर स्कूटर पर बैठकर अपने आपको आग लगाई और करीब 1000 फुट उन्होंने स्कूटर चलाया। 1000 फुट आगे जहां पुलिस चौकी थी, वहां वह गिरा। उनको सिविल हॉस्पिटल में ले गए मगर वह सीरियस था इसलिए उसको नाड्यािड से अहमदाबाद शिफ्ट किया। वहां उसका डाइंग डिक्लेयरेशन भी प्रॉपरली नहीं लिया गया। उसके साथ उन्होंने बोला कि 15 मिनट बाद आपके पास डाइंग डिक्लेयरेशन के लिए आएंगे। कोई नहीं आया। रात को उसका देहान्त हो गया। आज भी सारा नाड्यािड बंद है। सारे डिस्ट्रिक्ट की प्रजा बहुत हैरान परेशान है। मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वहां के जो कलैक्टर हैं, वहां के चीफ ऑफिसर हैं और म्यूनिसिपैलिटी को आप सस्पैण्ड करके ज्यूडीशियल इनक्वायरी करके सही बात क्या है और उसमें कितना भ्रटाचार हुआ है, उसकी जांच कराई जाए। उनके जो कोई वारिस हों, उनको कंपनसेशन भी मिले और उसके बारे में भी सरकार सोचे, इतना ही मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं।